



## भारतीय राजनीति में युवा राजनेताओं के दायरे पर एक अध्ययन

**Dr Anita Tanwar**

**Associate Professor in Political Science**

**Govt college krishan nagar Haryana Distt Mahendergarh (HARYANA)**

### सार

भारत एक युवा देश है, जहां युवा आबादी का एक बड़ा हिस्सा है। इस युवा आबादी की राजनीतिक भागीदारी और नेतृत्व की भूमिका भारतीय लोकतंत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। हाल के वर्षों में, युवा राजनेता भारतीय राजनीति में तेजी से उभर रहे हैं। वे नई ऊर्जा, नए विचार और नए दृष्टिकोण लेकर आए हैं। यह निबंध भारतीय राजनीति में युवा राजनेताओं के दायरे पर एक विस्तृत अध्ययन प्रस्तुत करता है। भारत एक युवा देश है और इसकी आबादी का एक बड़ा हिस्सा युवाओं से बना है। इस युवा शक्ति को राजनीति में सक्रिय रूप से शामिल करना देश के विकास के लिए बेहद जरूरी है। युवा राजनेता नई सोच, नए विचार और नए दृष्टिकोण के साथ राजनीति में प्रवेश कर सकते हैं और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। युवा राजनेता नए विचारों और नई सोच के साथ राजनीति में आते हैं। वे पुराने ढर्रे से हटकर नए तरीकों से समस्याओं का समाधान ढूंढने की कोशिश करते हैं। वे तकनीक का उपयोग करके शासन को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बना सकते हैं। युवा राजनेता सामाजिक मुद्दों पर अधिक ध्यान देते हैं। वे बेरोजगारी, गरीबी, असमानता, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों को प्राथमिकता देते हैं। वे युवाओं की आकांक्षाओं को समझते हैं और उनके हितों की रक्षा के लिए काम करते हैं।

**मुख्य शब्द-**भारतीय, राजनीति, युवा , राजनेता

### भूमिका

युवा राजनेता राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। वे विभिन्न धर्मों, जातियों और क्षेत्रों के लोगों को एक साथ लाकर देश को एकजुट कर सकते हैं। युवा राजनेता भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में अहम भूमिका निभा सकते हैं। वे पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देकर भ्रष्टाचार



को कम कर सकते हैं। युवा राजनेता तकनीक का उपयोग करके शासन को अधिक कुशल और प्रभावी बना सकते हैं। वे सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल माध्यमों का उपयोग करके लोगों से जुड़ सकते हैं और उनकी समस्याओं को समझ सकते हैं।

राजनीतिक दलों को अपने संगठन में युवाओं के लिए आरक्षण देना चाहिए ताकि युवाओं को राजनीति में आने का मौका मिल सके। स्कूलों और कॉलेजों में राजनीतिक शिक्षा को बढ़ावा दिया जाना चाहिए ताकि युवाओं को राजनीति के बारे में जागरूक किया जा सके। युवा नेतृत्व विकास कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए ताकि युवाओं को नेतृत्व के गुणों को विकसित करने में मदद मिल सके। सामाजिक संगठनों को युवाओं को राजनीति में आने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

युवा राजनेता भारतीय राजनीति में नई ऊर्जा और नया दृष्टिकोण ला सकते हैं। वे देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। युवाओं को राजनीति में आने के लिए प्रोत्साहित करना और उन्हें राजनीतिक प्रक्रिया में शामिल करना देश के भविष्य के लिए बेहद जरूरी है।

युवा राजनीति में प्रवेश कर रहे युवाओं के सामने कई चुनौतियाँ हैं। इन चुनौतियों को समझना और उनका समाधान खोजना बेहद जरूरी है। आइए इन चुनौतियों को विस्तार से समझते हैं:

### 1. अनुभव की कमी:

- राजनीतिक प्रक्रियाओं की जटिलता: राजनीति एक जटिल प्रक्रिया है जिसमें कई तरह के कानून, नियम और परंपराएँ शामिल होती हैं। युवाओं के लिए इन सबको समझना और उनमें महारत हासिल करना आसान नहीं होता है।
- लोकप्रियता हासिल करने में कठिनाई: अनुभवी राजनेताओं के पास पहले से ही एक मजबूत समर्थक आधार होता है। युवाओं को अपनी पहचान बनाने और लोगों का विश्वास जीतने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है।



## 2. धन और संसाधनों की कमी:

- चुनाव लड़ने के लिए धन की आवश्यकता: चुनाव लड़ने के लिए धन की आवश्यकता होती है। युवाओं के पास आमतौर पर इतना धन नहीं होता है।
- संसाधनों का अभाव: अनुभवी राजनेताओं के पास पार्टी का समर्थन, मीडिया का ध्यान और अन्य संसाधन होते हैं, जो युवाओं के पास नहीं होते हैं।

## 3. प्रतिष्ठित व्यक्तियों के साथ प्रतिस्पर्धा:

- अनुभवी नेताओं का प्रभाव: अनुभवी नेताओं का राजनीतिक क्षेत्र में काफी प्रभाव होता है। युवाओं को उनके साथ प्रतिस्पर्धा करनी होती है।
- पार्टी के भीतर प्रतिस्पर्धा: पार्टी के भीतर ही युवाओं को कई बार अनुभवी नेताओं के साथ प्रतिस्पर्धा करनी होती है।

## 4. समाज का नजरिया:

- युवाओं के प्रति पूर्वाग्रह: कई बार समाज युवाओं को अनुभवहीन और राजनीति के लिए अपरिपक्व मानता है।
- परिवार और समाज का दबाव: परिवार और समाज का दबाव भी युवाओं के लिए एक चुनौती हो सकता है।

## 5. तकनीकी चुनौतियाँ:

- सोशल मीडिया का दुरुपयोग: सोशल मीडिया युवाओं के लिए एक शक्तिशाली उपकरण है, लेकिन इसका गलत इस्तेमाल भी किया जा सकता है।
- साइबर सुरक्षा: साइबर हमलों का खतरा भी युवाओं के लिए एक चुनौती है।

## 6. राजनीतिक दलों की संरचना:

- पार्टी के भीतर पदोन्नति: कई बार पार्टी के भीतर पदोन्नति में वरिष्ठता को अधिक महत्व दिया जाता है।
- नई सोच को अपनाने में कठिनाई: पार्टियाँ कई बार नई सोच को अपनाने में संकोच करती हैं।

### समाधान

- शिक्षा और प्रशिक्षण: युवाओं को राजनीति के बारे में विस्तृत शिक्षा और प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए।
- धन जुटाने के लिए नई रणनीतियाँ: युवाओं को धन जुटाने के लिए नई रणनीतियाँ अपनानी चाहिए।
- सोशल मीडिया का प्रभावी उपयोग: युवाओं को सोशल मीडिया का प्रभावी उपयोग करना चाहिए।
- सकारात्मक छवि निर्माण: युवाओं को एक सकारात्मक छवि निर्माण करनी चाहिए।
- राजनीतिक दलों में सुधार: राजनीतिक दलों को अपनी संरचना में सुधार करना चाहिए और युवाओं को अधिक अवसर देने चाहिए।

### भारतीय राजनीति में युवा राजनेताओं के दायरे पर एक अध्ययन

देश का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी पर निर्भर करता है। युवाओं में नई सोच, ऊर्जा और देश के प्रति समर्पण होता है। राजनीति में युवाओं की भागीदारी से देश के विकास में एक नई गति आ सकती है। लेकिन अक्सर देखा जाता है कि युवा राजनीति से दूर रहते हैं। ऐसे में यह प्रश्न उठता है कि युवाओं को राजनीति में लाने के लिए सरकार और राजनीतिक दलों की क्या भूमिका होनी चाहिए? युवा राजनेताओं के सामने कई चुनौतियाँ हैं, लेकिन इन चुनौतियों का समाधान संभव है। युवाओं को अपनी प्रतिभा और



ऊर्जा का उपयोग करके इन चुनौतियों का सामना करना चाहिए और एक बेहतर भविष्य का निर्माण करना चाहिए।

स्कूलों और कॉलेजों में राजनीतिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए। युवाओं को राजनीतिक प्रक्रिया, लोकतंत्र और नागरिक अधिकारों के बारे में समझाया जाना चाहिए। सरकार को युवाओं के लिए ऐसे मंच प्रदान करने चाहिए जहां वे अपनी बात रख सकें। जैसे- युवा संसद, युवा मंत्रिमंडल आदि।

राजनीतिक दलों को अपने संगठन में युवाओं के लिए एक निश्चित कोटा निर्धारित करना चाहिए। सरकार को राजनीतिक दलों को युवाओं को प्रशिक्षित करने और राजनीतिक गतिविधियों में शामिल करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करनी चाहिए। सरकार को राजनीतिक प्रणाली में सुधार लाने के लिए कदम उठाने चाहिए ताकि युवा राजनीति में आने के लिए प्रेरित हों। जैसे- चुनाव सुधार, पारदर्शिता बढ़ाना आदि।

राजनीतिक दलों को युवा नेतृत्व विकास कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए। राजनीतिक दलों को युवाओं को चुनाव लड़ने का अवसर देना चाहिए। राजनीतिक दलों को युवाओं की आवाज को महत्व देना चाहिए और उनके सुझावों पर विचार करना चाहिए। राजनीतिक दलों को युवाओं के मुद्दों पर आधारित आकर्षक नीतियां बनानी चाहिए। राजनीतिक दलों को युवाओं तक पहुंचने के लिए सोशल मीडिया का अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए।

युवाओं को राजनीति में लाने के लिए सरकार और राजनीतिक दलों दोनों की ही महत्वपूर्ण भूमिका है। सरकार को युवाओं को राजनीतिक प्रक्रिया में शामिल करने के लिए एक अनुकूल वातावरण प्रदान करना चाहिए। वहीं, राजनीतिक दलों को युवाओं को अपने संगठन में शामिल करने और उन्हें नेतृत्व के लिए तैयार करने के लिए कदम उठाने चाहिए। जब युवा राजनीति में सक्रिय रूप से भाग लेंगे, तभी देश का समग्र विकास संभव होगा।

भारतीय राजनीति में युवाओं की भागीदारी बढ़ाना देश के विकास के लिए आवश्यक है। उपरोक्त उपायों को लागू करके हम युवाओं को राजनीतिक प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल कर सकते हैं और एक मजबूत और समृद्ध भारत का निर्माण कर सकते हैं।



भारतीय राजनीति में युवा राजनेताओं का उदय कई कारणों से हुआ है:

- सामाजिक मीडिया का प्रभाव: सोशल मीडिया ने युवाओं को राजनीतिक मुद्दों पर अपनी आवाज उठाने का एक मंच प्रदान किया है।
- शिक्षा का प्रसार: शिक्षा के प्रसार के साथ युवाओं में राजनीतिक जागरूकता बढ़ी है।
- भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई: युवा भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।
- राजनीतिक दलों में युवाओं के लिए अवसर: राजनीतिक दल युवाओं को अधिक से अधिक अवसर प्रदान कर रहे हैं।

युवा राजनेता भारतीय राजनीति में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभा रहे हैं:

- नई ऊर्जा: वे राजनीति में नई ऊर्जा और उत्साह लेकर आए हैं।
- नए विचार: वे नए विचार और नए दृष्टिकोण लेकर आए हैं।
- सामाजिक मुद्दों पर ध्यान: वे सामाजिक मुद्दों पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं।
- तकनीक का उपयोग: वे तकनीक का उपयोग करके लोगों तक अपनी बात पहुंचाते हैं।

युवा राजनेताओं के सामने कई चुनौतियां भी हैं:

- अनुभव की कमी: उनके पास अनुभव की कमी होती है।
- वित्तीय संसाधनों की कमी: उनके पास वित्तीय संसाधनों की कमी होती है।
- बड़े नेताओं का दबाव: बड़े नेताओं का दबाव उनके ऊपर रहता है।
- राजनीतिक दलों की पारिवारिकवाद: राजनीतिक दलों में पारिवारिकवाद एक बड़ी चुनौती है।



## निष्कर्ष

भारतीय राजनीति में युवा राजनेताओं का उदय एक सकारात्मक संकेत है। वे भारतीय लोकतंत्र को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि, उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। सरकार और राजनीतिक दलों को युवाओं को अधिक से अधिक अवसर प्रदान करने चाहिए ताकि वे भारतीय राजनीति में अपनी भूमिका निभा सकें।

## सन्दर्भ

- [1] शुमिलोव ए. युवा परिवेश में चुनावी नीति के निर्माण के कारक पोलिट बुक, 2012, पृष्ठ 75-85.
- [2] क्रिज़स्टॉफ़ इवानेक. भारतीय पार्टी प्रतीकों की रोचक कहानियाँ. द डिप्लोमैट. 2015.
- [3] शौरी, अरुण. संसदीय प्रणाली: हमने इसे क्या बनाया है, हम इसे क्या बना सकते हैं. नई दिल्ली: रूपा एंड कंपनी, 2007.
- [4] शौरी, अरुण. शासन और उसमें आई कठोरता. नई दिल्ली: एएसए प्रकाशन, 2015.
- [5] रोगॉफ़ बी. मानव विकास की सांस्कृतिक प्रकृति ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, न्यूयॉर्क, एनवाई, 2013.
- [6] परशुरामन एस.के. भारत में युवाओं का प्रोफ़ाइल. नई दिल्ली: स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 2009.
- [7] जेफरी सी. टाइमपास: भारत में युवा, वर्ग और प्रतीक्षा की राजनीति। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2015.
- [8] अत्री वी. राजनीतिक मुद्दों पर जागरूकता। एस. कुमार (सं.), भारतीय युवा और चुनावी राजनीति: एक उभरती हुई भागीदारी। नई दिल्ली: SAGE, 2014, पृष्ठ 1-18.
- [9] युवा मामले और खेल मंत्रालय। राष्ट्रीय युवा नीति। 4 दिसंबर, 2016 को, 2014 से प्राप्त किया गया। <http://yas.nic.in/documents/national-youth-policy-2014>.



---

[10] दास। लोकतांत्रिक राजवंश: समकालीन भारतीय राजनीति में राज्य, पार्टी और परिवार। कैम्ब्रिज: कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, 2014, पृष्ठ 12-55।